23 कपड़ा सजा कैसे

साज़िदा की आपा ने उस को एक बहुत सुंदर दुपट्टा दिया। दुपट्टे के ऊपर सुंदर कढ़ाई थी और शीशे भी लगे हुए थे। रात को खाना खाने के बाद साज़िदा दुपट्टा अलग-अलग तरह से ओढ़ कर खेलने लगी। खेलते-खेलते थक गई तो वह दुपट्टा ओढ़े ही सो गई। सपने में वह सोचने लगी – इतना सुंदर दुपट्टा कैसे बना होगा?

साज़िदा का दुपट्टा कैसे बना होगा?

- तुम भी एक दुपट्टा या कोई थोड़ा लंबा बिना सिला कपड़ा लो। उसे अलग-अलग तरह से पहन कर देखो, कितनी तरह से पहन पाए?
- क्या किसी ने उसे लुंगी बनाकर या साफा बनाकर पहना? दुपट्टे को और कैसे-कैसे पहना?
- अपने घर में कोई छः कपड़े देखो। तुमने कपड़ों में क्या-क्या अंतर पाया – जैसे छूने में, रंग में, डिज़ाइन में?

- किसी मोटे कपड़े या बोरी को ध्यान से देखो। क्या तुम्हें खड़े और लेटे धागे दिखाई दिए? किसी भी कपड़े को नज़दीक से देखोगे तो तुम्हें ऐसी ही बनावट दिखाई देगी।

© NCERT not to be republished

तुम भी इसी तरह कागज़ की पट्टियों को बुन कर देखो।

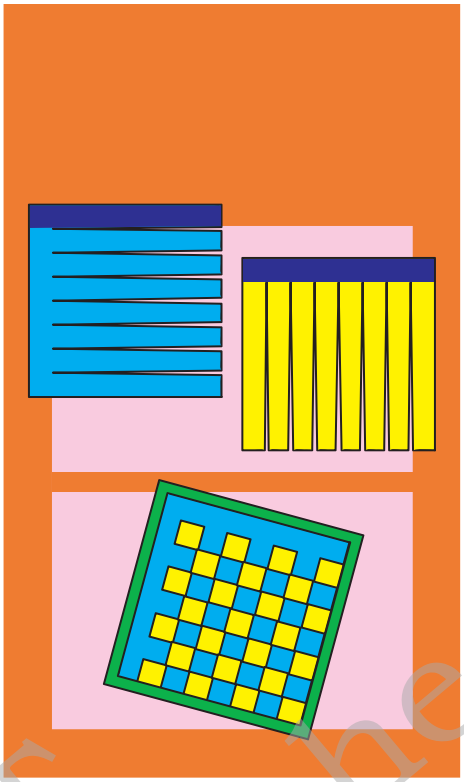

❊ कागज़ से बुनाई

1. दो अलग-अलग रंग के कागज़ लो।
2. एक कागज़ पर खड़ी लकीरें खींचो और दूसरे पर लेटी।
3. दोनों कागज़ों पर खींची गई लकीरों को काटो। ध्यान रहे, पट्टियाँ अलग न हो जाएँ।
4. दोनों कागज़ों को एक-दूसरे के ऊपर रखकर उनके दो किनारे (जिन्हें चित्र में रंग से दिखाया गया है) आपस में जोड़ दो।
5. अब कटी हुई पट्टियों को एक-दूसरे के साथ बुनकर मैट बनाओ।
6. इसके किनारे पर एक कागज़ का बार्डर या टेप चिपका दो, जिससे वह खुले नहीं।

❊ कपड़े पर छपाई

तुमने 'पौधों की परी' पाठ में कपड़ों पर बने फूल-पत्तियों के डिज़ाईन भी देखे। कटी हुई सब्ज़ियों की मदद से तुम भी कुछ डिज़ाइन बनाओ।

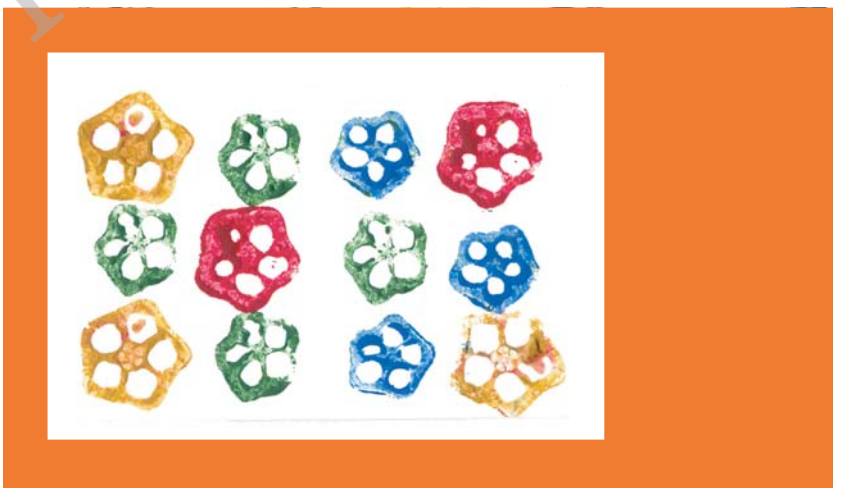

गोभी के फूल या भिंडी को बीच से काटो। उन पर गीले रंग लगाकर कागज़ या कपड़े पर ठप्पे लगाकर अपनी पसंद के डिज़ाइन बनाओ।

बच्चों द्वारा 'कागज़ की बुनाई' और 'कपड़े पर छपाई' करना हमारी पारंपरिक कला को बढ़ावा देगा। इससे बच्चों को अपनी कला दिखाने का मौका भी मिलेगा।

© NCERT not to be republished